11 कबीर के पद

कबीर भक्तिकाल के अप्रतिम भक्त कवि थे। उन्होंने अपनी रचना के माध्यम से भक्ति के नाम पर व्याप्त बाह्य आडंबरों एवं व्यर्थ अनुष्ठानों पर करारा प्रहार किया है। पाठ में शामिल पदों में उनका यह रूप मुखर हो उठा है। पदों की महत्ता इस अर्थ में खासतौर पर उल्लेखनीय है कि उनका भाव बोध न सिर्फ तत्कालीन समय से जुड़ता है, बल्कि समकालीन समय में भी उनकी उपादेयता यथावत है।

पहले पद में स्थापित रूढ़ियों के समानान्तर सच के सीधे साक्षात्कार की प्रस्तावना है, अर्थात 'कागद की लेखी' की जगह 'आँखिन देखी' की प्रतिष्ठा, वहीं दूसरे पद में ईश्वर या अल्लाह को कहीं बाहर ढूंढ़ने के जगह उसका अपने भीतर ही साक्षात्कार की बात कही गयी है।

(1)

मेरा तेरा मनुआँ कैसे इक होई रे।
मैं कहता हौं आँखिन देखी, तू कहता कागद की लेखी।
मैं कहता सुरझावनहारी, तू राख्यौ उरझाई रे।
मैं कहता तू जागत रहियो, तू रहता है सोई रे।
मैं कहता निर्मोही रहियो, तू जाता है मोही रे।
जुगन-जुगन समुझावत हारा, कही न मानत कोई रे।
सतगुरु धारा निर्मल बाहै, वामैं काया धोई रे।
कहत कबीर सुनो भाई साधो, तब ही वैसा होई रे।

(2)

मोको कहाँ ढूंढ़े बंदे, मैं तो तेरे पास में।
ना मैं देवल ना मैं मस्जिद, न काबे कैलास में।
ना तो कौनों क्रिया करम में नाहिं जोग बैराग में।
खोजी होय तो तुरतहि मिलिहौ, पलभर की तलास में।
कहै कबीर सुनो भाई साधो, सब साँसों की साँस में।

कबीरदास

शब्दार्थ

मनुआँ	–	मन
आँखिन	–	आँख
कागद	–	कागज़
निर्मोही	–	अनुराग न रखने वाला
वामैं	–	उसमें
मोको	–	मुझको

देवल – मन्दिर

बैराग – विरक्ति

प्रश्न-अभ्यास

पाठ से

1. **निम्नलिखित पंक्तियों को पूरा कीजिए :**

(क) मेरा तेरा मनुआँ..... ।

.....तू कहता कागद की लेखी ।

मैं कहता सुरझावनहारी..... ।

.....तू रहता है सोई रे।

(ख) ना तो कौनों क्रिया करम में..... ।

.....पलभर की तलास में।

2. **इन पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए :**

(क) मैं कहता निर्मोही रहियो, तू जाता है मोही रे।

(ख) मोको कहाँ ढूंढ़े बंदे, मैं तो तेरे पास में।

3. 'मोको' शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है?

पाठ से आगे

1. कबीर की रचनाएँ आज के समाज के लिए कितनी सार्थक/उपयोगी है? स्पष्ट कीजिए ।

2. सगुण भक्तिधारा : जिसमें ईश्वर के साकार रूप की अराधना की जाती है ।

   निर्गुण भक्तिधारा : जिसमें ईश्वर के निराकार (बिना आकार के) स्वरूप की अराधना की जाती है ।

   इस आधार पर कबीर को आप किस श्रेणी में रखेंगे ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए ।

3. सगुण भक्तिधारा एवं निर्गुण भक्तिधारा के दो-दो कवियों का नाम लिखिए ।

4. वैसे पंक्तियों को खोज कर लिखिए, जिसमें कबीर ने धार्मिक आडम्बरों पर कुठाराघात किया है ।

गतिविधि

1. अपने स्कूल या गाँव/शहर के पुस्तकालय में जाकर 'कबीर ग्रंथावली' या अन्य पुस्तकों से कबीर के बारे में विस्तृत जानकारी हासिलकर मित्रों तथा अपने शिक्षक से चर्चा कीजिए।
2. सगुण भक्ति एवं निर्गुण भक्ति की एक-एक कविता को वर्ग कक्ष में सुनाइए ।
3. कबीर के पदों से संबंधित अनेक कैसेट्स बाज़ार में उपलब्ध हैं। उन कैसटों को संग्रह कर सुनिए तथा उस पद को लय के साथ कक्षा में सुनाइए ।